मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

काव्य मंजरी

शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान।

शैक्षिक कविताओं का संकलन

~ संकलन ~

काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

होमी जहाँगीर भाभा

01

भारत में परमाणु ऊर्जा के जनक थे भाभा,
30 अक्टूबर 1909 को जन्मे थे भाभा।
बचपन से ही प्रतिभावान थे भाभा,
घर में बने पुस्तकालय में पढ़ते थे भाभा।।
बचपन से ही अंतरिक्ष और तारों में थे खोए रहते,
15 साल में ही सापेक्षता के सिद्धांत को थे समझे।
आगे की पढ़ाई करने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी चले गए,
विश्व भर में अपनी अलग पहचान बनाते रहे।।

गणित और विज्ञान में महारथ थी हासिल,
संगीत और चित्रकला से बाखूबी थे वाकिफ।
रमन इनका बहुत सम्मान थे करते,
भारत का लियोनार्डो डी विंची थे कहते।।
1954 में भाभा को पद्म विभूषण था दिया गया,
1948 में हापकिंस पुरूस्कार से सम्मानित किया गया।
परमाणु ऊर्जा आयोग के पहले अध्यक्ष थे चुने गए,
भारत को नयी ऊँचाइयों तक थे ले गए।।

आकांक्षा मिश्रा (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय सिकंदरपुर
सुरसा, हरदोई

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम

02

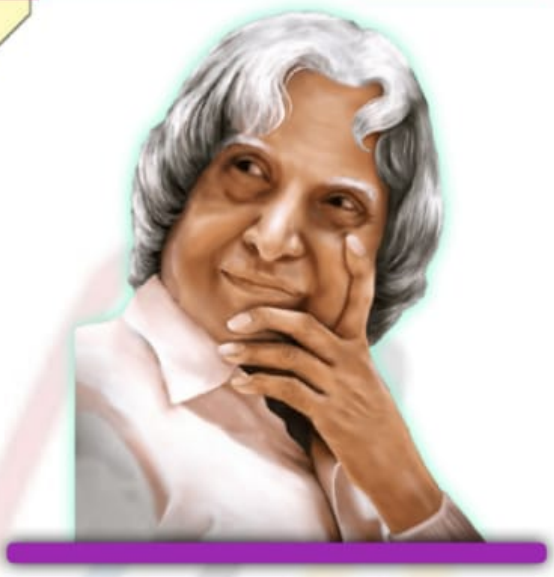

एक महापुरुष रामेश्वरम में जन्मा,
वह भारत में विज्ञान का दूत बना।
15 अक्टूबर है उनका जन्मदिवस,
भारत रत्न उन्हें सम्मान मिला।।

प्राइमरी कक्षा से ही उन्होंने,
वैज्ञानिक बनने का संकल्प किया।
पक्षियों को उडता देख खुद,
हेलीकॉप्टर बनाने का मन किया।।

वैज्ञानिक बने, मिसाइल मैन बने,
और बने DRDO के डायरेक्टर।
उनकी अगुवाई मे पोखरण मे,
हुआ प्रथम परमाणु परीक्षण।।

जय जवान, जय किसान के,
नारे को जय विज्ञान तक बढाया।
25 जुलाई 2002 को भारत के,
राष्ट्रपति का सर्वोच्च पद पाया।।

सादा जीवन उच्च विचार को,
जीने वाले थे अब्दुल कलाम।
उनके बारे मे लिखने लगें तो,
कलम खुद भी करे उन्हें सलाम।।

रचना- ज्योति सागर "सना" (स०अ०)
कम्पो० उ० प्रा० वि० सिसाना
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

कल्पना चावला

03

1962 में करनाल, हरियाणा में जन्मी,
भारत की महान बेटी कल्पना चावला।
माता श्रीमती संजयोती देवी और,
पिता का नाम श्री बनारसीलाल चावला।।

बचपन में ही आठवीं कक्षा में,
इंजीनियर बनने का लक्ष्य बनाया।
माँ ने बेटी की भावना को समझ,
निरन्तर उसका हौसला बढ़ाया।।

कोलोराडो से वैमानिक अभियांत्रिकी में,
विद्यावाचस्पति की उपाधि पायी।
हवाई जहाजों, ग्लाइडरों के प्रमाणित,
उड़ान प्रशिक्षक की भूमिका निभायी।।

1995 में नासा के अंतरिक्ष,
यात्री कोर में शामिल हुईं।
पहले मिशन में ही पृथ्वी की,
252 परिक्रमाएँ करने में सफल हुईं।।

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

अंतरिक्ष में उड़ने वाली प्रथम,
भारतीय मूल की महिला बनीं।
उनकी दूसरी अंतरिक्ष यात्रा ही,
अंतिम यात्रा साबित हुई।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

जगदीश चंद्र बोस

04

भारत के सफल वैज्ञानिकों में,
सबसे अच्छा काम है।
30 नवंबर 1858 को जन्मे,
जगदीश चंद्र बोस नाम है।।

रेडियो और माइक्रोवेव ऑप्टिक्स का,
किया इन्होंने अविष्कार।
वनस्पति विज्ञान को जन्म दिया,
मानव जाति पर किया उपकार।।

कैस्क्रोग्राफ का आविष्कार किया,
पेड़-पौधों के दर्द को जाना।
उनमें भी होता है जीवन,
सारी दुनिया ने फिर माना।।

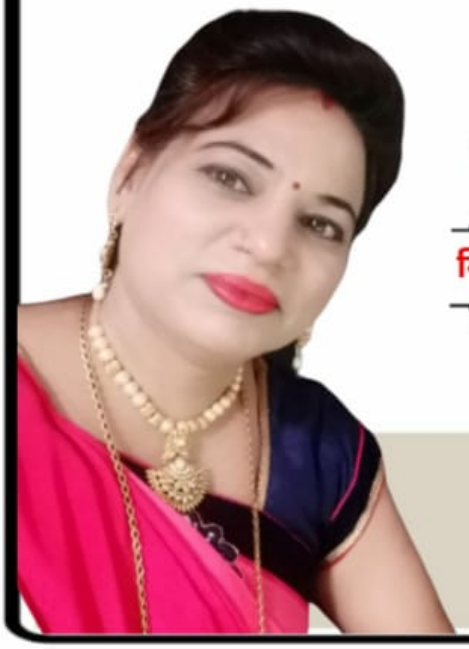

भौतिक शास्त्री लेखक थे,
वनस्पति विज्ञानी थे।
पूरब का जादूगर कहलाए,
बहुत बड़े महाज्ञानी थे।।

रचना- हेमलता गुप्ता (स०अ०)
प्रा०वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

एडवर्ड जेनर

05

बच्चों क्या तुमने सुना है,
उस वैज्ञानिक का नाम।
जिसने चेचक से मुक्ति दी,
किया महान ये काम।।

17 मई 1749 इग्लैंड में जन्मा,
एडवर्ड जेनर है उसका नाम।
पेशे से था वो चिकित्सक,
बर्कले है उसका जन्मस्थान।।

चेचक के टीके का आविष्कारक,
है इम्यूनोलॉजी का पिता।
चिकित्सा विज्ञान में उसके योगदान का,
विश्व आभारी रहेगा सदा।।

रचना- फहरीन नजमी (स०अ०)
पू० मा० वि० हरगढ़
छानबे, मिर्जापुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

एलेक्जेंडर फ्लेमिंग

06

थे बायोलॉजी के वैज्ञानिक,
नाम था अलेक्जेंडर फ्लेमिंग।
स्कॉटलैंड में जन्मे थे,
पिता का नाम, हुघ फ्लेमिंग।।

डारबेल स्कूल से पढ़कर,
लंदन से आगे शिक्षा ली।
भाई के कहने पर उन्होंने,
एम० बी० बी० एस की डिग्री ली।।

सबसे बड़ी खोज की उसने,
विश्वयुद्ध जब प्रथम हुआ।
जख्मों के सड़ने से मरते,
सैनिकों ने उनका मन छुआ।।

पेंसिलिन की खोज करी जब,
एंटीबायोटिक बदल गया।
इसी खोज के कारण उनको,
नोबेल पुरस्कार दिया गया।।

रचना- पूनम गुप्ता (स०अ०)
प्रा० वि० धनीपुर
ब्लॉक धनीपुर
जनपद अलीगढ़

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

मैडम मैरी क्यूरी

07

सात नवम्बर 1867 को,
जन्मी थीं मैडम क्यूरी।
नोबेल पुरस्कार पाने वाली,
प्रथम महिला थीं क्यूरी॥

बड़ी बहन का नाम था ब्रान्या,
माता-पिता थे शिक्षक।
माँ की मृत्यु के बाद क्यूरी के,
जीवन में आए संकट॥

1898 में पोलोनियम और,
रेडियम की खोज की इन्होंने।
विज्ञान की दो शाखाओं में,
नोबेल पुरस्कार पाया इन्होंने॥

4 जुलाई 1934 को,
अति रेडिएशन के कारण।
हुईं अलविदा और पेरिस में,
बना था क्यूरी फाउन्डेशन॥

मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

वैज्ञानिक गैलीलियो गैलिली

08

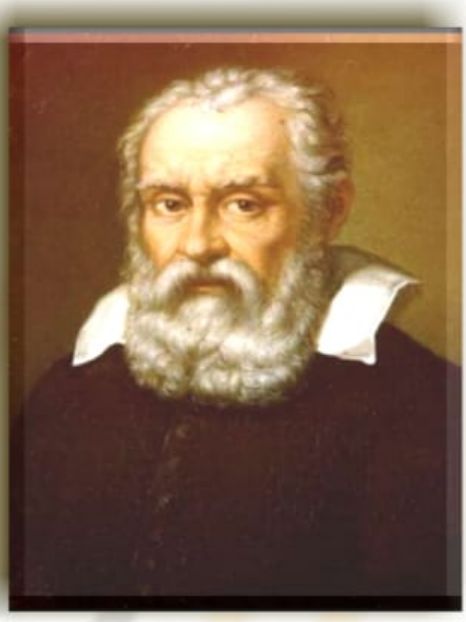

संगीतज्ञ पिता के घर जन्म लिया था,
एक महान विचारक गैलीलियो गैलिली ने।
इटली के पीसा शहर में 15 फरवरी 1564 में,
धर्म सिद्धांतों का खंडन किया था गैलिली ने।।

दोलन का सूत्र दे, दूरबीन का अविष्कार किया,
दूरदर्शी को और भी बेहतर बना दिया।
प्रकाश गति को मापने का प्रयोग किया,
आइंस्टीन ने 'आधुनिक विज्ञान जनक' का नाम दिया।।

खगोलीय पिंडों को देखने की इच्छा थी बचपन से,
इसीलिए दूरबीन बना डाली पूर्ण समर्पण से।
पृथ्वी को गोल बताकर सूर्य की परिक्रमा करता पाया,
चर्च ने समझा इसको धर्म अवज्ञा कारागार में पहुँचाया।।

गुण भंडार गैलिली ने 1642 में दुनिया को विदा बोल दिया,
350 वर्ष बाद पोप ने इसको ऐतिहासिक गलती बता दिया।
वर्ष 2009 को अंतर्राष्ट्रीय खगोलीय वर्ष का नाम दिया,
विनम्र श्रद्धा से आज भी गैलिली को याद करे पुण्य धरा।।

रचना
दीपिका जैन (स०अ०)
प्रा० वि० बनगवां
सालारपुर, बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

"थॉमस ऐल्वा एडीसन"

09

थॉमस ऐल्वा एडिसन, महान वैज्ञानिक थे।
बहुत मेहनती बालक, वो बचपन से ही थे।।
11 फरवरी 1847 को, मिलैन नगर में जन्मे थे।
अँधेरा करे दूर ऐसे बल्ब के, वो आविष्कारक थे।।

मंदबुद्धि बालक कहकर, स्कूल से निकाला था।
माँ की ममता, विश्वास ने, फिर उन्हें सँभाला था।।
घर पर शिक्षा दी जिज्ञासु, बनाया पढ़ाया था।
चंचल बालक आविष्कारी, माँ ने ही बनाया था।।

माँ ने पुस्तक दी जिसमें, रासायनिक प्रयोग लिखे थे।
एडीसन ने आविष्कार करने में, हजारों प्रयास किए थे।।
आत्मविश्वास, मेहनत, लगन ने उन्हें वैज्ञानिक बनाया।
स्कूल-ज्ञान जिसे दे नहीं सका, उसने रोशन जग कराया।।

रचनाकार- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० सं० पू० मा० विद्यालय- तेहरा
विकास खण्ड व जनपद- मथुरा

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

सी. वी. रमन

10

इनकी माता का नाम पार्वती,
और पिता चंद्रशेखर जाने जाते।
भारत का पहला नोबोल पुरस्कार,
पाने वाले वैज्ञानिक माने जाते।।

सर्वप्रथम अपने घर में ही रमन ने,
छोटी सी प्रयोगशाला बनाई थी।
भौतिकी वैज्ञानिक के रूप में,
अनेक उपलब्धियाँ पाई थी।।

सिर्फ 18 साल की आयु में ही,
इनका शोध प्रकाशित हुआ।
प्रकाश का आणविक विकिरण,
उस शोध का नाम हुआ।।

उन्नीस सौ चौबिस को लन्दन में,
रायल सोसाइटी के सदस्य बने।
सेवानिवृत के पश्चात रमन जी,
रमन इंस्टीटयूट की स्थापना किये।।

रचना- शहनाज़ बानो (स०अ०)
पू० मा० वि०- भौरी-1
मानिकपुर चित्रकूट

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

गुलएल्मो मारकोनी

11

इटली के महान अन्वेषक,
गुलएल्मो मारकोनी काफ।
जन्मे 25 अप्रैल 1874,
बोलीन नगरी बनी है खास।।

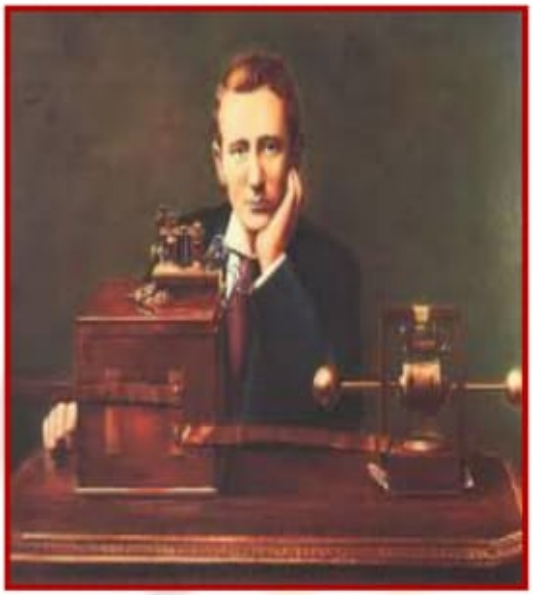

बचपन से थी विज्ञान में रुचि,
भौतिक विज्ञान में खास अभिरुचि।
किया रेडियो टेलीग्राफ का विकास,
बेतार के तार से खास।।

रेडियो संचार में अग्रणी भूमिका,
1922 में शुरू हुई प्रसारण सेवा।
रेडियो टेलीग्राफ के आविष्कारक,
नमन है तुमको भौतिक वैज्ञानिक।।

हुआ संदेश पहुँचाना आसान,
लंबी दूरी को न था आसान।
मिला 1909 में नोबेल पुरस्कार,
मारकोनी का था पूरा अधिकार।।

रचना- सुमन पांडेय(प्र०अ०)
प्रा०वि०टिकरी-मनौटी
खजुहा, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

श्रीनिवास रामानुजन

12

श्रीनिवास रामानुजन आयंगर,
भारत के गणितज्ञ महान।
सिद्ध कर दिया गणित है रोचक,
खेल-खेल में इसका ज्ञान।।

22 दिसम्बर 1887,
तमिलनाडु के इरोड गाँव।
जन्मे साधारण परिवार में,
बचपन से कुशाग्र विद्वान।।

2	7	6	→15
9	5	1	→15
4	3	8	→15
↓15	↓15	↓15	↓15 ↘15

अतुलनीय प्रतिभा को सब,
गणितज्ञों ने मिल किया सलाम।
प्रोफेसर हार्डी के पास जो,
पहुँचे इनके शोध महान।।

33 वर्ष की उम्र में ही,
चिर निद्रा में विलीन हुए।
26 अप्रैल 1920 को,
इस दुनिया से जुदा हुए।।

'रॉयल सोसाइटी' इंग्लैण्ड ने,
फेलोशिप इन्हें प्रदान किया।
संपूर्ण एशिया में पहला,
इंसान था इनको बना दिया।।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा०वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

अल्बर्ट आइंस्टीन

13

तर्ज:- अच्छा जी मैं हारी, चलो मान जाओ न

चौदह मार्च अट्ठारह सौ उन्यासी में,
आइंस्टीन जन्मे जर्मनी में।
भौतिकी में मिला इन्हें नोबेल पुरस्कार,
किये अपने जीवन में महान अविष्कार।।

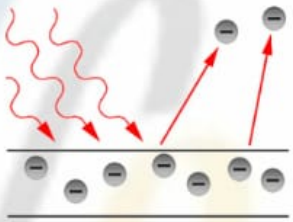

ईटीएच ज्यूरिख से,
शिक्षा प्राप्त की।
इनके अंदर महान,
प्रतिभा व्याप्त थी।।

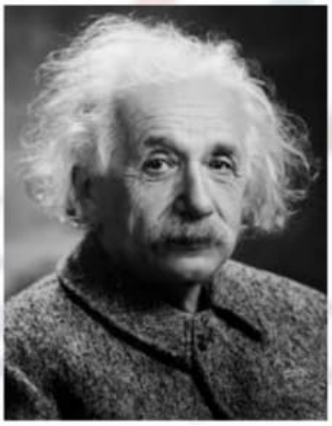

सापेक्षता का इन्होंने,
सिद्धांत दिया था।
शताब्दी पुरूष इन्हें,
घोषित किया गया था।

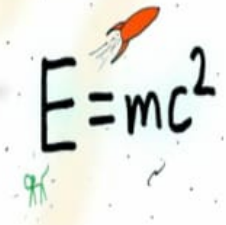

द्रव्यमान ऊर्जा समतुल्यता,
खोजा इन्होंने सापेक्षता।
प्रकाश वैद्युत प्रभाव से ये प्रसिद्ध हुए,
ब्राऊनियन गति का सिद्धांत भी दिए।।

रचना
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

अलेक्जेंडर ग्राहम बेल

14

ट्रिंग ट्रिंग करता रहता टेलीफोन,
सबके मन को भाता टेलीफोन।
ग्राहम बेल ने किया इसका अविष्कार,
सबके सपनों को किया साकार।

माँ के लिए बना के मशीन,
उन्होंने नई दुनिया बनाई।
और जो बधिर लोग थे,
उनमें नई आशा जगायी।।

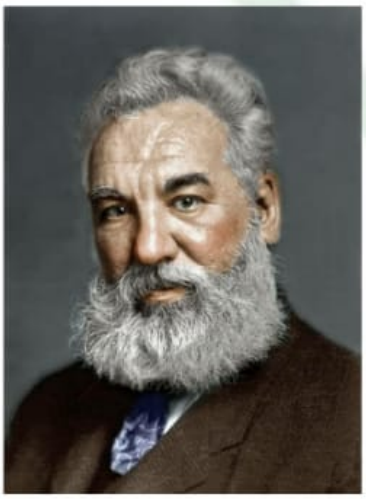

18 साल में हुए ग्रेजुएट,
और 25 में पियानो बनाया।
ऑप्टिकल फाइबर, डेसिबल यूनिट बनाकर,
सँचार क्राँति का नाम सजाया।

ग्राहम बेल के कारण,
दूर भी पास आ जाते हैं।
हज़ारों किमी दूर से हम,
हाल चाल पा जाते हैं।

रचना-
रेनू (स०अ०)
प्रा० वि० कूँडी
बड़ागाँव, वाराणसी

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

आइज़क न्यूटन

15

बच्चों हो कोई भी खोज,
होती उसके पीछे बड़ी सोच।
ऐसे ही थे एक वैज्ञानिक महान,
आइज़क न्यूटन है जिनका नाम।।

दिया "गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत",
बच्चों इसे आप भी लो जान।
चंद्रमा पृथ्वी के चारों ओर व,
पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमे।।

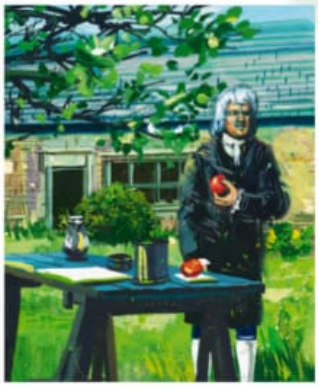

सेब ऊपर से गिरे तो नीचे ही कूदे,
ना इधर गिरे ना ही उधर लटके।
छोटी सी पंखुड़ी से लेकर विशाल,
तारों के बीच यही आकर्षण बल लगे।।

प्रिज्म से पता लगाया,
श्वेत प्रकाश सात रंगों ने मिलकर बनाया।
बच्चों उनकी सोच की उड़ान,
बना सकी उन्हें वैज्ञानिक महान।।

रचना-
गुलफ्शाँ (स०अ०)
प्रा० वि० केवटरा बेंता
देवमई, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

हरगोविंद खुराना

16

मुल्तान जिले में 1922 में,
हरगोविंद खुराना का था जन्म हुआ।
विलक्षण, अदभुद,अनोखा बालक था,
वैज्ञानिक बन कर प्रसिद्ध हुआ।।

9 जनवरी 1922- 9 नवम्बर 2011

उच्च शिक्षा इंग्लैंड की लेकर,
प्रोटीन संश्लेषण पर कार्य किया।
मॉलिक्यूलर बायोलॉजी था प्रिय विषय,
न्यूक्लियोटाइड पर शोध किया।।

चिकित्सा में नोबल पुरस्कार मिला,
विश्वविद्यालयों में शिक्षा दी।
आनुवंशिकी में गहन शोध से,
डी०एन०ए० संरचना की थ्योरी दी।।

अध्ययन, अध्यापन, अनुसंधान से,
चिकित्सा क्षेत्र में कई खोजें की।
पत्नी जूलिया का सहयोग मिला,
समाज में ख्याति अर्जित की ।।

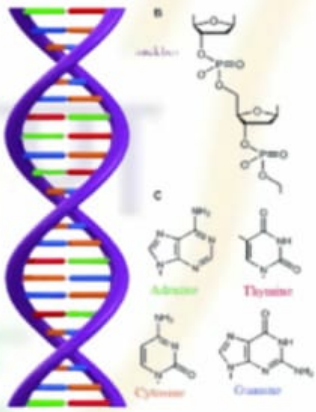

Structure of DNA

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण- उन्नाव

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

चार्ल्स बैबेज

17

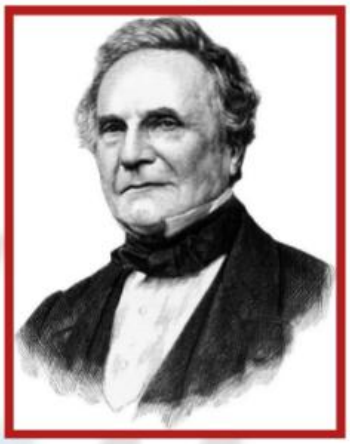

कम्प्यूटर के आविष्कारक,
चार्ल्स बैबेज उनका नाम।
गणितज्ञ, दार्शनिक, इंजीनियर,
जटिल काम किए आसान।।

26 दिसम्बर, 1791,
लंदन, इंग्लैण्ड में जन्म लिए।
पीरहाउस, कैम्ब्रिज से,
शिक्षा-दीक्षा ग्रहण किए।।

79 वर्ष की उम्र में,
लंदन में मृत्यु हुई।
गणित, कंप्यूटिंग के क्षेत्र में,
महान प्रसिद्धि इनकी भई।।

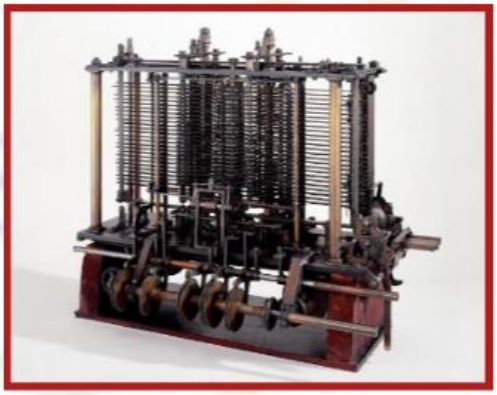

यांत्रिकी का क्षेत्र,
इनके नाम से जाना।
स्व कार्यों से दुनिया ने,
अजर-अमर इनको माना।।

रचना- आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

माइकल फैराडे

18

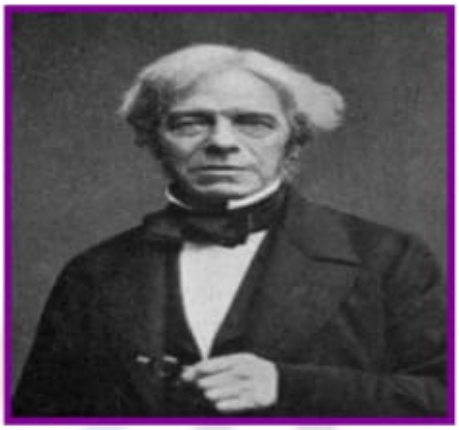

विज्ञान और वैज्ञानिकों ने किया चमत्कार,
मानव पर कर दिया उपकार।
अपनी जिज्ञासा और बुद्धि से,
मानव को नया जीवन दिया फैराडे

अंग्रेज भौतिकविद्, रसायनज्ञ माइकल फैराडे,
जन्मे 22 सितंबर 1791 इंग्लैंड में।
जीवन शुरू किया जिलसाद की नौकरी से,
गरीब लोहार पिता जेम्स फैराडे थे।।

फैराडे की कहानी है निराली,
साइन्स की टिकट ने जीवन बदल डाली।
मिला सानिध्य हमफ्री डेवी का,
चमत्कार दिखा महान वैज्ञानिक का ।।

आविष्कार किया पंखा, रोबोट का,
विधुत धारा के चुंबकीय प्रभाव का।।
मोटर लगे सभी डिवाइसेस का,
बने आविष्कारक माइकल फैराडे।

प्रियंका यादव (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय खानपुर कदीम
अमौली, फतेहपुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर

19

नोबेल पुरस्कार विजेता,
एस० चन्द्रशेखर कहाए।
खगोल भौतिक शास्त्र में,
अपनी धाक जमाए।।

19 अक्टूबर 1910,
लाहौर में वो जन्मे।
सीता लक्ष्मी माता उनकी,
सुब्रह्मण्यम अय्यर पिता थे।।

सर सी० वी० रमन थे चाचा,
प्रथम नोबेल पुरस्कार विज्ञान विजेता।
चाचा के नक्शेकदम पर चलकर,
नोबेल पुरस्कार है जीता।।

व्हाइट डवार्फ/ श्वेत बौने,
नक्षत्रों का सिद्धांत बनाया।
ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के,
रहस्यों का पता लगाया।।

21 अगस्त 1995 को,
अंतिम समय था आया।
खगोल शास्त्री "चंद्रशेखर" का,
योगदान न जाएगा भुलाया ।।

सीमा निर्धारित की नक्षत्रों की,
चन्द्रशेखर सीमा कहलाई।
अपनी विलक्षण योग्यता से,
भारत की विश्व में पहचान बढ़ाई।।

रचना
ज्योति शर्मा (स.अ)
उ.प्रा.वि.गिंदौड़ा, मुरादाबाद
(मुरादाबाद)

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

••• विलियम रॉन्टजेन •••

20

27 मार्च 1845 को,
जर्मन में हुआ जन्म।
विलियम रॉन्टजेन नहीं थे,
प्रतिभा में किसी से कम।।

जर्मन पिता डच माँ ने,
उनका लालन-पालन किया।
शिक्षा के क्षेत्र में आगे वो,
बालक हमेशा बढ़ता गया।।

ज्ञात नही था किसी को भी,
उस अज्ञात को खोजा था।
एक्स-रे किरणों की खोज के लिए ,
उनको दुनिया ने पहचाना था।।

सन 1901 में भौतिकी में,
प्रथम नोबेल पुरस्कार विजेता हुए।
नाम कमाया दुनिया में,
दुनिया मे अजर-अमर हुए।।

रचना-
नीलम सिंह (स० अ०)
पू०मा०वि० रतनगढ़ी,
ब्लॉक व जनपद-हाथरस

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

भारतीय वैज्ञानिक सत्येन्द्र नाथ बोस

21

01 जनवरी 1894 कोलकाता में,
जन्मा एक बालक।
सत्येन्द्र नाथ बोस था नाम,
वह विज्ञान का साधक।।

बचपन से ही था,
पढ़ाई-लिखाई का चाव।
तभी तो किया था,
गणित परास्नातक में भी टॉप।।

खोजी बोस-आइंस्टीन सांख्यिकी,
आइंस्टीन के साथ मिलकर।
सराहा गया इनको दो प्रकार के अणुओं में,
एक को बोसॉन का नाम देकर।।

चमत्कारी गॉड पार्टिकल का विचार भी,
सबसे पहले इन्हीं को आया।
भारत ने भी इस महान वैज्ञानिक को,
पदम् विभूषण से सजाया।।

रचना- शिखा मिश्रा (स०अ०)
उ०प्रा०वि०नयाखेड़ा
सि० सरोसी,
उन्नाव

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

जॉन लॉगी बेयर्ड

22

रंग-रंगीला टेलीविजन दिया हमें जे.एल.बेयर्ड ने,
तेरह अगस्त सन् 1888 को जन्म लिया बेयर्ड ने।
स्काटलैंड,हेलन्सबर्ग में जन्मे चार भाई-बहनों के साथ,
बचपन में ही एक माली के बेटे का थामा था हाथ।।

पिता पादरी,घर की स्थिति उनकी अच्छी नहीं रही,
शिक्षा ली स्थानीय और शिक्षा की लगन बनी रही।
बारह वर्ष की अल्पावस्था में कमाल कर डाला,
दूरदर्शन की तरह चार कमरों में तार जोड़ डाला।।

विद्यालय की पढ़ाई पूरी कर कालेज में आये,
किन्तु रुग्ण काया से पराजित ढंग से न पढ़ पाये।
लंदन में 1926 में दूरदर्शन-चित्रों का प्रर्दशन कर पाये,
और 1928 में रंगीन चित्र प्रेषित कर फूले नहीं समाये।।

1931में 43वें साल मार्गरिट अल्बु से शादी हुई थी,
बेटी डायना बेटे मैल्कम से इनकी बगिया महकी थी।।
1936 में बी.बी.सी.ने दूरदर्शन सेवा इनके साथ शुरू की थी,
14जून 1946को ससैक्स में अन्तिम साँस ले ली थी।।

रचना- शिखा वर्मा (स०अ०)
पू० मा० वि० स्योढ़ा
बिसवाँ, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

वैज्ञानिक डॉ०कस्तूरी रंगन

23

एक वैज्ञानिक हुए हैं जिनसे,
भारत ने अंतरिक्ष को छू डाला।
नाम है उनका डॉ०कस्तूरी रंगन,
भारत का इतिहास बदल डाला।।

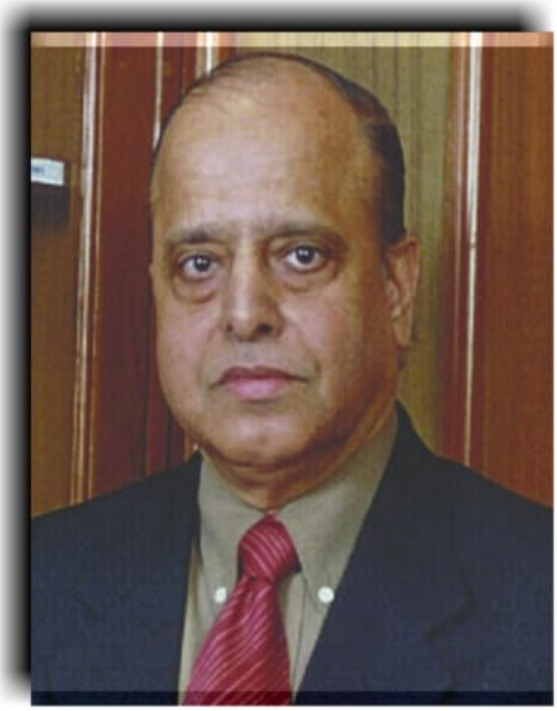

अंतरिक्ष विज्ञान के ज्ञाता हैं जो,
इनसेट-2 जिनका अविष्कार है।
इसरो के चैयरमैन रह चुके जो,
भारत गौरव तुम्हें नमस्कार है।।

विज्ञान में जो बैचलर करके,
हाई एनर्जी में डॉक्टरेट किए।
अनेकों विश्वविद्यालय ने उनको,
डॉक्टरेट उपाधि सम्मान दिए।।

पदम् विभूषण सा गौरव मिलकर,
नित आधुनिक अविष्कार किये।
राज्यसभा में मिला सम्मान जिनको,
नई शिक्षा नीति का गुणगान किये।।

रचना-
रजत कमल वार्ष्णेय (स०अ०)
प्रा० वि० खंजनपुर
इस्लामनगर,बदायूँ

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

कांजिवरम श्री रंगचारी शेषाद्रि

24

कांजिवरम रंगचारी थे,
भारत के गणितज्ञ महान।
वैज्ञानिक अभियान्त्रिक भी,
थे मिला पद्मभूषण सम्मान।।

श्री शेषाद्रि गणितज्ञ नाम से,
परिचित सकल जहान।
इनकी प्रतिभा से गर्वित है,
मेरा प्यारा हिन्दुस्तान।।

भारत के शासन ने इनको,
पूरा मान दिया।
शान्तिस्वरूप भटनागर,
का शुभ सम्मान दिया।।

गणित विषय के श्रेष्ठ पंथ,
का इनसे सृजन हुआ।
वर्ष अठ्ठासी की आयु,
में इनका निधन हुआ।।

सीधा-सादा सरल प्रभावी,
था व्यक्तित्व तुम्हारा।
विद्वतवर!स्वीकार कीजिए,
सादर नमन हमारा।।

रचना- प्रवीणा दीक्षित
kgbv kasganj

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

प्रो0 मेघनाद साहा

25

खगोल वैज्ञानिक रूप में जिसने भारत को पहचान दिया,
तारों में भौतिक एवं रासायनिक स्थिति का नया ज्ञान दिया।
प्रो0 मेघनाद साहा ने इसे साहा समीकरण नाम दिया,
6 अक्टूबर 1893 में जन्म ले भारतभूमि को धन्य किया।।

आरम्भिक अध्ययन ढाका कॉलेजिएट स्कूल से ग्रहण किया,
बाद में उच्च शिक्षा हेतु ढाका महाविद्यालय में अध्ययन किया।
गरीब परिवार में जन्म ले लक्ष्य प्राप्ति हेतु संघर्ष किया,
वर्ष 1917 में क्वांटम फिजिक्स के प्राध्यापक का पद ग्रहण किया।।

आइंस्टीन और मिंकोवस्की के शोधपत्रों का अंग्रेजी अनुवाद किया,
वर्ष 1919 में अमेरिकन जर्नल में शोध पत्र प्रकाशन किया।
शोध पत्र में साहा ने 'आयनीकरण फार्मूला' प्रतिपादित किया,
सौर किरणों के वजन-दबाव मापक उपकरण आविष्कार किया।।

साहा ने कई वैज्ञानिक संस्थानों, समितियों का गठन किया,
नेशनल अकादमी ऑफ़ साइंस, इंडियन फिजिकल सोसाइटी स्थापित किया।
'साहा इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स' संस्था को नाम दिया गया।
16 फरवरी 1956 में मृत्यु तक पत्रिका का संपादन किया।

रचना- सुप्रिया सिंह (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय बनियामऊ
मछरेहटा, सीतापुर

मिशन शिक्षण संवाद

प्रसिद्ध भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिक

विक्रम साराभाई

26

वैज्ञानिक की सुनो कथा, था भारत जिनका धाम,
विक्रम अंबालाल साराभाई था उनका नाम।
12 अगस्त 1919 को, जन्मे अहमदाबाद में,
अंबालाल पिता माँ सरला हुए प्रसन्न सब साथ में।

पैतृक घर द रिट्रीट बना अहमदाबाद में,
लिखे 86 वैज्ञानिक शोध पत्र हैं आपने।
अंतरिक्ष में भारत को है पहुंचाया आपने,
सन 1966 में पद्म भूषण पाया आपने।
वैसे प्रमुख क्षेत्र आपका था भौतिक विज्ञान,
लेकिन शिक्षा, कला, समाज दिया सभी पर ध्यान।

एक या दो नहीं आपने, खोले 40 संस्थान,
जैसे परमाणु ऊर्जा आयोग,
और भारतीय प्रबंधन संस्थान।
दर्पण जैसी संस्था से, दिया कला को मान,
30 दिसंबर 1971 को, आपका हो गया देहावसान।

रचना- पीयूष त्रिवेदी (स०अ०)
संविलयित विद्यालय भैनामऊ,
सुरसा, हरदोई

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

मिशन शिक्षण संवाद

टेक्निकल टीम

नमिता राजपूत, मुरादाबाद
नाज़िया परवीन, मुरादाबाद

रचनाकारों की सूची

1- आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
2- ज्योति सागर, बागपत
3- जितेंद्र कुमार, बागपत
4- हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
5- फहरीन नजमी, मिर्जापुर
6- पूनम गुप्ता, अलीगढ़
7- मंजू शर्मा, हाथरस
8- दीपिका जैन, बदायूँ
9- नैमिष शर्मा, मथुरा
10- शहनाज़ बानो, चित्रकूट
11- सुमन पाण्डेय, फ़तेहपुर
12- अरविन्द कुमार सिंह, बनारस
13- सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर
14- रेनू , वाराणसी
15- गुलफ्शां, फ़तेहपुर
16- डॉ. नीतू शुक्ला, उन्नाव
17- आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
18- प्रियंका यादव, फतेहपुर
19- ज्योति शर्मा मुरादाबाद
20- नीलम सिंह, हाथरस
21- शिखा मिश्रा, उन्नाव
22- शिखा वर्मा, सीतापुर
23- रजत कमल वार्ष्णेय, बदायूँ
24- प्रवीणा दीक्षित, कासगंज
25- सुप्रिया सिंह, सीतापुर
26- पीयूष त्रिवेदी, हरदोई

मार्गदर्शन- आर० के० शर्मा, चित्रकूट

संकलन

काव्य मंजरी टीम, मिशन शिक्षण संवाद